शहनाइयां भजाओ जी शिव रात आ गई

शहनाइयां भजाओ जी शिव रात आ गई,
शिव रात आ गई आ गई शिव रात आ गई,
गोरा के द्वार भोले की बारात आ गई,
बारात आ गई भोले की बारात आ गई,
शहनाइयां भजाओ जी शिव रात आ गई,

जिस ने बारात देखि हैरान हो गया,
देवो के पिशे भूतो की जमात आ गई,
शहनाइयां भजाओ जी शिव रात आ गई,

सर्पो का सेहरा बाँध के नंदी पे बैठ के,
गिरजा के भाग में लिखी सौगात आ गई,
शहनाइयां भजाओ जी शिव रात आ गई,

कोई भंग की तरंग में कोई सूफी संत है,
लगता है शिव के साथ कायनात आ गई,
शहनाइयां भजाओ जी शिव रात आ गई,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11630/title/shehnaaiyan-bhajaao-ji-shiv-raat-aa-gai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |